B.A.-III (music)

प्र. हार्मनी (Harmony) क्या है? इनके प्रकार भी लिखो।

उत्तर- दो या दो से अधिक स्वरों को एक साथ बजाने से उत्पन्न मधुर भाव को हार्मनी या स्वर-संवाद कहते हैं। जैसे- सा, ग, प या मध्य, सां स्वरों को एक साथ बजाने से हार्मनी की रचना होती है।

हार्मनी के मुख्य दो प्रकार माने गये हैं:-

1) सरल हार्मनी (सिम्पिल हार्मनी)
2) क्लिष्ट हार्मनी (कम्पाउन्ड हार्मनी)

1) सिम्पिल हार्मनी:- जब किसी रचना को मेल खाने वाले विभिन्न स्वरों से गाया-बजाया जाय तो सिम्पिल हार्मनी की रचना ~~होती है~~ होगी। इनमें एक ही प्रकार का स्वर संवाद प्रारम्भ से अन्त तक रहता है, इसलिए इसे ~~सम~~ समानान्तर (पैरलल) हार्मनी भी कहते हैं, इसके दो प्रकार हैं:-

a) मेगाडाइजिंग सिम्पिल हार्मनी
b) आर्गनाइजिंग " "

a) मेगाडाईजिंग सिम्पिल हार्मनी- जब एक ही रचना को दो या दो से अधिक सप्तकों में गाई-बजाई जाय तो उसे मेगाडाइजिंग हार्मनी कहते हैं, जैसे- कोई सा रे ग रे सा तथा कोई सां रें गं रें सां गाये।

Scanned with CamScanner

b) आर्गनाइजिंग /सिम्पल हार्मनी - जब किसी रचना को गाते-बजाते समय एक सप्तक से कम की हार्मनी प्रयुक्त हो तो उसे आर्गनाइजिंग हार्मनी कहेंगे जैसे - एक व्यक्ति षड्ज से गाये तो दूसरा पंचम से। पाश्चात्य संगीत में सा-प, सा-म के साथ सा-ग में भी सम्वाद भाव माना जाता है, इसलिए इस हार्मनी को उत्पन्न करने के लिए कुछ व्यक्ति सा से कुछ ग से तथा कुछ म या प से गाते बजाते हैं।

2) कम्पाउन्ड हार्मनी - इस प्रकार के स्वर-संवाद में समानान्तर हार्मनी नहीं रह पाती, बल्कि बदला करती है, इसलिए इसे क्लिष्ट (कम्पाउन्ड) हार्मनी कहते हैं। कभी-कभी सा-म और सा-ध स्वरों का संवाद भी उत्पन्न करते हैं जो कानों को प्रिय नहीं लगती, किन्तु इनके बाद मधुर स्वर संवाद करते हैं तो मधुरता और बढ़ जाती है।

Scanned with CamScanner